ENGLISH GRAMMAR

मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

ENGLISH GRAMMAR

for

HIGHER STUDIES AND COMPETITIVE EXAMINATIONS

Authors

Dr. Neeraj Agnihotri
Professor and Head
Department of English
Institute for Excellence in
Higher Education
Bhopal

Dr. Vikas Jaoolkar
Professor and Head
Department of English
Govt. Hamidia Arts &
Commerce College,
Bhopal

Dr. V. K. Jain
Professor
Department of English
M.L.C. Govt. Girls
P.G. College, Khandwa

Dr. Vinita Singh Chawdhry
Professor
Department of English
Govt. Hamidia Arts &
Commerce College, Bhop

MADHYA PRADESH HINDI GRANTH ACADEMY

English Grammar

Writers : Dr. Agnihotri, Dr. Jaoolikar, Dr. Jain, Dr. Chawdhry

© Madhya Pradesh Hindi Granth Academy

Publisher : Madhya Pradesh Hindi Granth Academy
Ravindrnath Thakur Marg
Bhopal - 462 003 (M.P.)
Phone : 0755 - 2553084

Edition Eleventh, 2023

Price : Rs. 130.00 (One Hundred Thirty) only

Composing : Akshar Graphics, Bhopal

Printer : Shreya Offset, M.P. Nagar, Bhopal (M.P.

प्राक्कथन

हिन्दी भाषा मानवीय मूल्यों को आत्मसात करने और भविष्यत जीवन-संघर्ष में शुचितापूर्ण साधन का उपयोग करते हुए सफल होने का मार्ग प्रशस्त करती है, साथ ही जिज्ञासा एवं प्रश्नाकुलता का अंकुरण करती है। देश की राष्ट्रभाषा हिन्दी है। हिन्दी भाषा के विकास के कई युग और चरण । यदि यह आज विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषाओं में गिनी जाती है तो इसका कारण उसकी ाकरणात्मक परिपक्वता है। शास्त्रीय भाषा संस्कृत की उत्तराधिकारी और अनेक जन-बोलियों ी अधिष्ठात्री हिन्दी का आज इतना सामर्थ्य है कि विश्व के अद्यतन विषय, अनुसंधान और कनीक के विकास को इसके माध्यम से सुगमता से सम्प्रेषित किया जा सकता है। शिक्षाविदों का ानना है कि विषयगत वैशिष्टय अर्जित न कर पाने का एक बड़ा कारण विद्यार्थियों पर माध्यमगत ाव है। मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा सहज ग्राह्य और संप्रेष्य तो होती ही है, शिक्षार्थी पर भाषा ा अनावश्यक दबाव भी नहीं होता, उसमें मौलिक सोच पैदा होती है।

मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के प्रकाशन, हिन्दी के सामर्थ्य के प्रकटीकरण का विनम्र ाहरण है। चूँकि मातृभाषा मनुष्य के संस्कार, संचेतना और विकास का आधार होती है, इसलिए सके माध्यम से शिक्षार्जन सबसे सहज और प्रामाणिक होता है। भारत सरकार ने इसी के मद्देनजर देश सभी राज्यों में मातृभाषा के माध्यम से उच्च शिक्षा के अध्ययन-अध्यापन को सुगम बनाने की दृष्टि ग्रन्थों के लेखन-प्रकाशन की व्यवस्था के लिए अकादमियों की स्थापना की पहल की। इसी केन्द्र र्तित योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश शासन ने 1970 में अकादमी की स्थापना की। अकादमी उच्च क्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों की सुविधा के लिए सभी विषयों की अध्ययन सामग्री हिन्दी में उपलब्ध ा रही है। हिन्दी का सर्वांगीण विकास मूलतः देश और आमजन का विकास है। इसलिए मेरी न्यता है कि सभी अधुनातन विषयों की पुस्तकों का हिन्दी में लेखन-प्रकाशन की निरंतरता बनी नी चाहिए।

मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी मातृभाषा के माध्यम से विगत 50 वर्षों से अनवरत उच्च शिक्षा क्षेत्र में माध्यम परिवर्तन की प्रक्रिया को गति देने के उद्देश्य से केन्द्र प्रवर्तित योजना के अंतर्गत ाठ्यविद्यालयीन पाठ्यक्रम आधारित पाठ्य पुस्तकें एवं संदर्भ ग्रंथों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में ने वाले हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए संदर्भ पुस्तकों के प्रकाशन का कार्य कर रही है।

मेरी अभिलाषा है कि हिन्दी में स्तरीय मानक पुस्तकों के प्रकाशन के इस राष्ट्रीय महत्व के र्य में प्रदेश के प्राध्यापक लेखन, परीक्षण एवं सम्पादन कार्य से जुड़कर तथा विद्यार्थियों के बीच के उपयोग को बढ़ावा देकर अपना रचनात्मक सहयोग दें और विद्यार्थी इन्हें अपने अध्ययन का ी बनाकर अकादमी के कार्य को सार्थकता प्रदान करें।

(डॉ. मोहन यादव)
मंत्री, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश शासन
एवं अध्यक्ष, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल